चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...... दैनिक भास्कर ......

दिनांक 6.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-5

एचएयू में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए टीचर्स डे पर अध्यापकों को किया गया सम्मानित

सामाजिक दूरी, मास्क और सेनिटाइजेशन का रखा ध्यान, एचएयू वीसी ने टीचर्स को दिया सम्मान

भास्कर न्यूज | हिसार

शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया। कोरोना महामारी के चलते इस छोटे से समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक श्री नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

एचएयू के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 6.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2.8.....

कहीं शिक्षकों का सम्मान, कहीं रोपे पौधे

एचएयू में विज्ञानियों को दिया पुरस्कार

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर अध्यापकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान फल छेदक मशीन के नेतृत्वकर्ता विज्ञानी व ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के विज्ञानियों को भी सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम भूमिका निभाता है। प्रत्येक शिक्षक को डा. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के विचारों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया।

इन्हें मिला मेहनत का फल

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रो. मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रो. ओपी श्योराण, डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. मनोज गोयल व डा. हेमंत पूनिया को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज, डा. आशा क्वात्रा, डा. बिमला ढांडा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एचएयू के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। • पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक ..6..9..2020..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.5.....

एच.ए.यू. में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

हिसार, 5 सितम्बर (ब्यूरो): शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की सुदृढ़ नींव रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफैसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रो. ओ.पी. श्योराण, डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 6.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। संवाद

एचएयू में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

हिसार। शिक्षक देश की रीढ़ होता है। इसलिए देश के प्रथम उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्ण के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं। प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शनिवार को शिक्षक दिवस सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओपी श्योराण , डॉ. मंजू सिंह टौंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनिया को कुलपति प्रो. समर सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन और विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 6.9.2020........पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-4.....

जानकारी के अभाव में आती हैं सूत्रकृमि की समस्याएं: प्रो. समर

एचएयू में बागवानी फसलों पर हुआ वेबिनार

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय को लेकर कृषि वैज्ञानिकों व देशभर के किसानों के बीच गहन चर्चा हुई। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया। इस वेबिनार के तीन मुख्य विषय थे, जिनमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमियों का महत्व, पॉलीहाउस फसलों, नर्सरी तथा फलदार पौधों में सूत्रकृमि समस्या एवं समाधान शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 6.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....6.8.....

जानकारी के अभाव में बागवानी में सूत्रकृमि की आती है समस्या, मिट्टी की जांच जरूरी

- सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान पर एचएयू में वेबिनार
- नर्सरी से रोगी पौधे लाकर खेत या बाग में लगाना है मुख्य कारण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वेबिनार आयोजित हुआ। जिसमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर विशेषज्ञों ने जागरूक किया। कृषि विज्ञानियों व देशभर के किसानों के बीच गहन चर्चा हुई। शुभारंभ कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके।

उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उंठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया।

मृदा सुंदरीकरण का करें प्रयोग : कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के समन्वयक डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस में लगने वाले सूत्रकृमियों के लक्षण, समस्या व प्रबधंन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई-जून के महीने में मृदा सुंदरीकरण, नीम खल व जैविक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। डा. जयदीप पाटिल ने फलदार पौधों तथा नर्सरी में सूत्रकृमि प्रबधंन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया।

6 राज्यों के 200 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

कार्यक्रम के सयोजक एवं सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डा. आरएस कवंर ने बताया कि इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर खास सुझाव दिए गए। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उतर प्रदेश, बिहार, पंजाब से किसान, बागवानी अधिकारी व जिला विस्तार विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार के अंत में प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों में किसान दिनेश चहल, विक्रम पंघाल, संदीप सिंह, कैलाश खुशवाह, रविन्द्र सोकहाल, भूषण ओलिहन आदि ने बागवानी में आने वाली समस्याओं को लेकर विभिन्न सवाल किए जिनका कृषि वैज्ञानिकों ने बेहतर ढंग से जवाब देते हुए समाधान बताए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ..6..9..2020..पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....4-5.....

बागवानी में अधिक उत्पादन के लिए सूत्रकृमि प्रबंधन जरूरी : प्रो. समर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय को लेकर कृषि वैज्ञानिकों व देशभर के किसानों के बीच चर्चा हुई।

वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए, ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया। इसके तीन मुख्य विषय थे, जिनमें बागवानी फसलों में सूत्रकृर्मियों का महत्व, पॉलीहाउस फसलों, नर्सरी तथा फलदार पौधों में सूत्रकृमि समस्या एवं समाधान शामिल थे।

एचएयू में वेबिनार, 6 राज्यों के 200 किसानों ने लिया हिस्सा

मृदा सुंदरीकरण का करें उपयोग : कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद के समन्वयक डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस में लगने वाले सूत्रकृमियों के लक्षण, समस्या व प्रबंधन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होनें बताया कि मई-जून के महीने में मृदा सुंदरीकरण, नीम खल व जैविक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जयदीप पाटिल ने फलदार पौधों तथा नर्सरी में सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए।

6 राज्यों के 200 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल : कार्यक्रम के संयोजक एवं सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरएस कंवर ने बताया कि इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर खास सुझाव दिए गए। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उतरप्रदेश, बिहार, पंजाब से किसान, बागवानी अधिकारी व जिला विस्तार विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार के अंत में प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों में किसान दिनेश चहल, विक्रम पंघाल, संदीप सिंह, कैलाश खुशवाह, रविंद्र सोकहाल, भूषण ओलिहन आदि ने बागवानी समस्याओं को लेकर सवाल किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 6.9.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 4-6

एचएयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए एंट्रेंस एग्जाम आज, 4 सेंटरों पर होगी परीक्षा

बिना मास्क के नहीं मिलेगी एंट्री, विवि ने तैयारी पूरी करने का किया दावा

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की आज से होने वाली एंट्रेंस परीक्षा को लेकर एचएयू प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। एचएयू के अंदर ही चार सेंटरों पर परीक्षा होगी। कालेज ऑफ एग्रीकल्चर, कॉलेज ऑफ होम साइंस, इंजीनियरिंग कॉलेज और बेसिक साइंस विभाग को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

एचएयू के रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कंबोज का कहना है कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। सेनिटाइज करने के बाद ही छात्रों को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश दिया जाएगा। करीब 900 छात्र परीक्षा देंगे। बताया कि छात्रों को विवि की तरफ से ही पानी की बोतल भी कमरे में प्रवेश करने से पूर्व उपलब्ध कराई जाएगी। हाल ही में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के चलते स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्रामों में एडमिशन के लिए परीक्षा की तिथियां चार दिनों में विभाजित कर तय कर दी थी। 6 सितंबर से परीक्षाएं होगी। एग्जाम में करीब 3500 छात्र एवं छात्राएं शामिल होंगी। डीन प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि प्रयास रहेगा कि छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी न होने दी जाए। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा की तिथियां 6 सितम्बर, 9 सितम्बर, 12 सितम्बर व 16 सितम्बर को तय की गई हैं। र जिल्ट 22 सितंबर के बाद घोषित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक ..7..9..2020..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-3.....

कोरोना का असर: एचएयू में 901 में से 601 परीक्षार्थी पहुंचे एंट्रेस परीक्षा देने

स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिले के लिए चार चरणों में होनी है प्रवेश परीक्षा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया। इसमें 901 में से 601 परीक्षार्थी शामिल हुए। 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। खास बात यह रही कि परीक्षा देने के लिए पहुंचे परीक्षार्थियों के हाथ सेनिटाइज कराने के बाद उन्हें अंदर कमरे में प्रवेश दिया गया। गेट पर थर्मल स्क्रीनिंग भी की गई। कुलपति प्रो. समर सिंह ने भी परीक्षा का जायजा लिया।

विवि प्रशासन परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित करेगा, पहला चरण 6 सितंबर से शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि

हिसार के एचएयू में परीक्षा देने पहुंचे छात्र। एचएयू के कर्मचारी डॉक्यूमेंट चेक करते हुए।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन कर किया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया था और सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया है। सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय ने ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद पानी की बोतल व फेस मास्क मुहैया करवाए। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक ..7..9..2020..पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....2-6.....

एचएयू में 601 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रशासन ने रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें एमएससी एग्रीकल्चर, एमटेक कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, एसएससी होम साइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर साढ़े 12 तक चली। परीक्षा में 601 परीक्षार्थी उपस्थित तो 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा को लेकर एचएयू के सामने सबसे बड़ी चुनौती शारीरिक दूरी के लिए परीक्षा कक्ष में 15 परीक्षार्थियों को बैठे नजर आए। मास्क के लिए बार-बार परीक्षार्थियों को इस बाबत विश्वविद्यालय प्रशासन टोकता नजर आया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 180 अधिकारियों व कर्मचारियों के स्टाफ सदस्यों की ड्यूटियां लगाई थी। इनमें शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर केंद्र का हाल भी जाना। खास बात यह है कि परीक्षा के दौरान एक-एक छात्र को सैनिटाइज होने के बाद ही परीक्षा कक्ष में बैठाया गया। परीक्षाएं चार चरणों में कराई जाएंगी। जिसका पहला चरण 6 सितंबर से शुरू हुआ।

601 परीक्षार्थियों को 42 कमरों में बैठाकर दिलवाई परीक्षा : परीक्षा को कराने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए। जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 42 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे।

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए। ●पीआरओ

परीक्षा से पहले कक्षों को कराया गया सैनिटाइज

कोरोना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया। बिना मास्क के किसी को भी परीक्षा देने की अनुमति नहीं थी। इसके साथ ही परीक्षार्थियों को पानी की बोतलें व फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को पानी के लिए अपने स्थान से उठना न पड़े।

3448 ने प्रवेश के लिए किया है आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं।

दस्तावेजों का सत्यापन

- 6 सितंबर को प्रवेश परीक्षा देने वाले विद्यार्थी- 26 व 27 सितंबर को दस्तावेज सत्यापित करा सकते हैं
- 9 सितंबर को प्रवेश परीक्षा देने वाले विद्यार्थी- 29 व 30 सितंबर को दस्तावेज सत्यापित करा सकते हैं
- पीएचडी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी- 3 व 4 अक्टूबर को दस्तावेज सत्यापित करा सकते हैं।

परीक्षा के लिए ये तय हुई तारीख

- 9 सितंबर : एमएससी (कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटी), एमएससी (फिशरीज साइंस)
- 12 सितंबर : पीएचडी (कॉलेज ऑफ बेसिक साइंस एंड ह्युमिनिटी)
- 16 सितंबर : पीएचडी (कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर), पीएचडी, (कॉलेज ऑफ होम साइंस), पीएचडी (कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस), पीएचडी (कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी)

(परीक्षा के अगले दिन उत्तर कुंजी विवि की बेवसाइट पर अपलोड की जाएगी।)

इस तारीख में आएगा परिणाम

- 6 व 9 सितंबर की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम : 22 सितंबर
- 12 व 16 सितंबर की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम : 27 सितंबर
- 22 सितंबर को परिणाम आने पर 25 सितंबर तक उत्तीर्ण परीक्षार्थी ऑनलाइन विषय चयनित कर सकते हैं
- 27 सितंबर को परिणाम आने के बाद 30 तक विषय चयनित कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 7.9.2020...पृष्ठ संख्या....4....कॉलम....1-3....

स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए 601 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

एचएयू : स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए चार चरणों में होने वाली प्रवेश परीक्षा शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा हुई। इसमें 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका पहला चरण छह सितंबर से पूरा हो गया है। परीक्षा से पहले सभी केंद्रों को सैनिटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया। सभी परीक्षार्थियों को विवि की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद पानी की बोतलें व मास्क मुहैया करवाए गए। परीक्षा सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा के दौरान केंद्रों का जायजा लेते कुलपति प्रो. समर सिंह।

180 स्टाफ सदस्यों की लगाई गई ड्यूटी

परीक्षा के लिए 180 स्टॉफ सदस्यों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिनमें शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी शामिल हैं। कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रो. आशा क्वात्रा ने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विवि की वेबसाइट समय-समय पर चेक करते रहें।

3448 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। परीक्षाएं करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन चार केंद्रों पर 42 कमरे, जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक ..7..9..2020..पृष्ठ संख्या........2........कॉलम........1-4........

एच.ए.यू. में 601 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया। इसमें 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को 4 चरणों में आयोजित किया जाएगा। जिसका पहला चरण 6 सितम्बर से शुरू हो गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

3448 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पी.एच.डी. के कोर्स शामिल हैं। विद्यार्थियों की संख्या और केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए 4 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी, महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन केंद्रों पर 42 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे, ताकि सामाजिक दूरी व सैनिटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते कुलपति प्रो. समर सिंह।

कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से 180 स्टाफ सदस्यों की ड्यूटियां लगाई गई। इनमें शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रो. आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा की तिथियां 6, 9, 12 व 16 सितम्बर को तय की गई हैं, जिसका प्रथम चरण 6 सितम्बर से शुरू हो गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 7.9.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 7-8

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. कृष्ण यादव

बाजरे की फसल में यूरिया देकर पहले पखवाड़े में करें सिंचाई

बाजरे की फसल में पहले पखवाड़े में सिट्टे आने पर भारी जमीन में प्रति एकड़ 28 किलोग्राम यूरिया देकर सिंचाई करें और रेतीली जमीन में पानी के बाद बत्तर आने पर यूरिया डालें और गोड़ी करें। इसके लिए पहिये वाले कसौले का प्रयोग करें।

पछेती बोई फसल में पत्तों पर भूरे दाग दिखाई दें तो 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 2.5 यूरिया का घोल छिड़कें (जिसके लिए एक किलोग्राम जिंक सल्फेट, 5 किलोग्राम यूरिया और 200 लीटर पानी के घोल का प्रयोग करें)। कम से कम दो छिड़काव 10 -12 दिन के अंतर में हमेशा ओस उतरने के बाद करें। यदि बारिश की संभावना हो तो उस दिन छिड़काव न करें। घोल बनाते समय 10 -12 लीटर पानी में पहले जिंक सल्फेट घोलें, फिर यूरिया को घोलें। इसके बाद पूरे घोल में लकड़ी घुमाकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छी बारिश न होने पर सिंचाई करें। चिड़ियों से फसल को बचाने के उपाय करें। जहां अरगट या चेपा दिखाई दे तो वहां रोगग्रस्त बालियों को नष्ट कर दें और 400 मिलीलीटर क्यूमान - एल का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ फसल पर छिड़काव करें।

डॉ. कृष्ण यादव
हरियाणा कृषि में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

उधर, बारिश न हो तो कपास की फसल में दूसरे पखवाड़े में पानी दें। देसी किस्मों में तीसरे पखवाड़े में चुनाई शुरू कर दें। टिंडा गलन की रोकथाम के लिए 800 ग्राम ब्लाइटॉक्स/ब्ल्यू कॉपर/कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 6-8 ग्राम स्टैप्टोसाइक्लिन या 30-40 ग्राम प्लांटोमाइसिन का मिश्रित घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़कें और आवश्यकतानुसार 15 दिन के बाद दोहराएं।

प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......सिटी पल्स......

दिनांक ....5.9.2020.... पृष्ठ संख्या.....—..... कॉलम.....—.....

एचएयू में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने मेंअहम भूमिका निभाता है इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और उसके अपने विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे एक अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के

हिसार। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

ये शिक्षक हुए सम्मानित

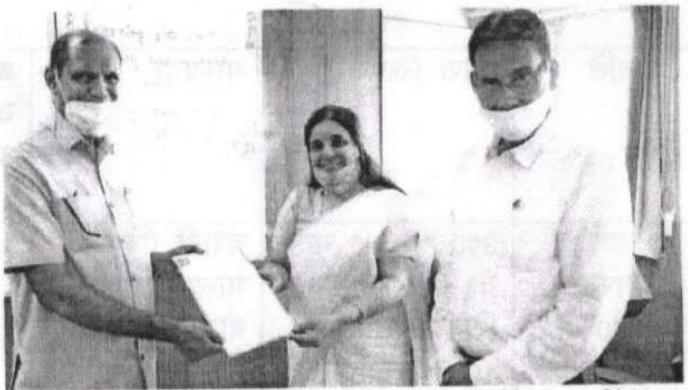

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनिया को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समरसिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित नियंत्रक नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......हिसार टुडे.......

दिनांक ..5. 9. 2020.... पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

एचएयू हिसार में शिक्षक सम्मान समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

शिक्षक सम्मान समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया

टुडे न्यूज़ | हिसार

शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया। कोरोना महामारी के चलते इस छोटे से समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षकों को प्रतिदिन हो रहे शैक्षणिक व वैश्विक बदलावों के साथ नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा ताकि विद्यार्थियों को मौजूदा परिवेश में बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और उसके अपने विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे एक अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

ये शिक्षक हुए सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समरसिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. विमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक श्री नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 5.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

नींव रखने में शिक्षक की होती अहम् भूमिका : प्रो. समर सिंह

हकृवि मेंआयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

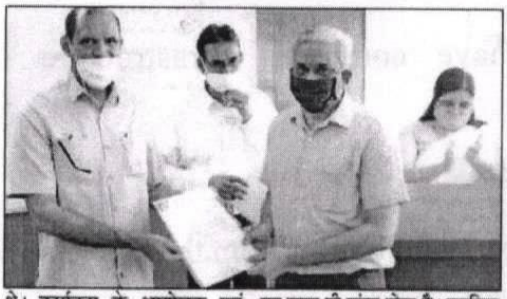

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप राष्ट्रपति डॉ. सर्वपाल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया।

कोरोना महामारी के चलते इस छोटे से समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और उसके अपने विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

इन शिक्षकों को मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण , डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समरसिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्षात्रा, डॉ. विमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक श्री नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक ..5..9..2020..पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 सितम्बर : शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया। कोरोना महामारी के चलते इस छोटे से समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पदं बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षकों को प्रतिदिन हो रहे शैक्षणिक व

वैश्विक बदलावों के साथ नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा ताकि विद्यार्थियों को मौजूदा परिवेश में बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और उसके अपने विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे एक अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण , डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समरसिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पांच बजे.....

दिनांक 5.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षक सम्मानित

शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है : प्रो. समर सिंह

पांच बजे ब्यूज

हिसार। शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह के दौरान बोल रहे थे। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया

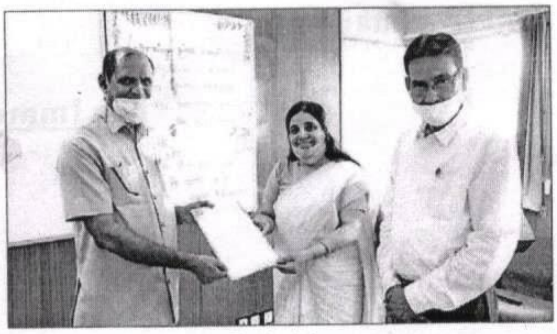

जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया। कोरोना महामारी के चलते इस छोटे से समारोह में सामाजिक दूरी, मास्क व सेनिटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा गया।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन्न संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षकों को प्रतिदिन हो रहे शैक्षणिक व वैश्विक बदलावों के साथ नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा ताकि विद्यार्थियों को मौजूदा परिवेश में बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और उसके अपने विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे एक अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

ये शिक्षक हुए सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण, डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनिया को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समरसिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल-सचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. विमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्दपुरिया, वित्त नियंत्रक श्री नवीन जैन सहित विभिन्न महाविद्यालयों के विभागाध्यक्ष व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....समर घोष........

दिनांक 5. 9. 2020 पृष्ठ संख्या ...... - ...... कॉलम ...... - ......

एचएयू में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

हिसार। शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्टपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण के जन्म दिवस, जो कि शिक्षक के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच का संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने किया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 5.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

शिक्षक ही देश की नींव रखने में अहम भूमिका निभाता है:प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूज:हिसार, 5 सितंबर। शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम् भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस, जो शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित एक समारोह में व्यक्त किए । प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षकों को प्रतिदिन हो रहे शैक्षणिक व वैश्विक बदलावों के साथ नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा ताकि विद्यार्थियों को मौजूदा परिवेश में बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम....नभ छोर....
दिनांक 5.9.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

देश की नींव रखने में शिक्षक की भूमिका अहम : कुलपति

हिसार/05 सितंबर/रिपोर्टर

शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिवस, जोकि शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों से ओतप्रोत होते हुए अपने जीवन में धारण करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शिक्षकों के सम्मान में आयोजित समारोह में व्यक्त किए। कार्यक्रम के आयोजक एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताया जबकि मंच संचालन गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह

टोंक ने किया। कुलपति ने कहा कि शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी के चलते उत्पन्न संकट के समय भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई को ऑनलाईन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान फल छेदक मशीन के लिए पेटेंट हासिल करने वाली टीम के इंचार्ज प्रोफेसर मुकेश गर्ग और ऑनलाईन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट प्राप्त करने वाली टीम के सदस्य प्रोफेसर ओपी श्योराण , डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनिया को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक सवेरा

दिनांक 5.9.2020 पृष्ठ संख्या........ कॉलम........

देश की नींव रखने में शिक्षकों की भूमिका अहम

● नवीनतम तकनीकों को अपनाने पर जोर

चंडीगढ़, 5 सितम्बर (सवेरा ब्यूरो) : हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह शिक्षक किसी भी देश की रीढ़ होता है। शिक्षक ही किसी देश की नींव को रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए देश के प्रथम उप-राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर प्रत्येक शिक्षक को उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

बता दें कि इस दिन को हर साल शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रोफेसर समर सिंह शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि

शिक्षक का पद बहुत ही ऊंचा होता है। इसलिए शिक्षक को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना महामारी में संकट के समय भी उन्होंने छात्रों की पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से निर्बाध गति से जारी रखा। साथ ही गुणवत्ता में भी किसी प्रकार कमी नहीं आने दी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त करना चाहिए जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाए हैं। शिक्षकों को प्रतिदिन हो रहे शैक्षणिक व वैश्विक बदलावों के साथ नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा ताकि छात्रों को मौजूदा परिवेश में बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए एक शिक्षक को अत्यंत गंभीर होना चाहिए और विद्यार्थियों को ऐसे गुणों से ओत-प्रोत करना चाहिए जिससे वे अच्छे नागरिक बन सकें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......जगमार्ग......

दिनांक 6.9.2020......पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

जानकारी के अभाव से आती है बागवानी में सूत्रकृमि की समस्याएं: समर सिंह

हकृवि में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, 6 राज्यों के 200 किसानों ने कराया पंजीकरण

➡ बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिकों से रूबरू हुए देशभर के किसान

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय पर कृषि वैज्ञानिकों व देशभर के किसानों के बीच गहन चर्चा हुई।

वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों को अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया। इस वेबिनार के तीन मुख्य विषय थे, जिनमें बागवानी फसलों में सूत्रकृमियों का महत्व, पॉलीहाउस फसलों, नर्सरी तथा फलदार पौधों में सूत्रकृमि समस्या एवं समाधान शामिल थे। कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के समन्वयक डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस में लगने वाले सूत्रकृमियों के लक्षण, समस्या व प्रबधंन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मई-जून के महीने में मृदा सौर्यीकरण, नीम खल व जैविक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जयदीप पाटिल ने फलदार पौधों तथा नर्सरी में सूत्रकृमि प्रबधंन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जाच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सुत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करते हरियाणा कृषि विवि. के कुलपति प्रो. समर सिंह।

6 राज्यों के 200 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

कार्यक्रम के संयोजक एवं सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कवंर ने बताया कि इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर खास सुझाव दिए गए। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उतर प्रदेश, बिहार, पंजाब से किसान, बागवानी अधिकारी व जिला विस्तार विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार के अंत में प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों में किसान दिनेश चहल, विक्रम पंघाल, संदीप सिंह, कैलाश खुशवाह, रविन्द्र सौकहाल, भूषण ओलिहन आदि ने बागवानी में आने वाली समस्याओं को लेकर विभिन्न सवाल किए जिनका कृषि वैज्ञानिकों ने बेहतर ढंग से जवाब देते हुए समाधान बताए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद देते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम नित्य शक्ति टाइम्स

दिनांक 5. 9. 2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

जानकारी के अभाव में आती हैं बागवानी में सूत्रकृमि की समस्या : वीसी

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिकों से रुबरू हुए देशभर के किसान

हकृवि में ऑनलाइन वेबिनार आयोजित, 6 राज्यों के 200 किसानों ने कराया पंजीकरण

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय को लेकर कृषि वैज्ञानिकों व देशभर के किसानों के बीच गहन चर्चा हुई। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया। इस वेबिनार के तीन मुख्य विषय थे, जिनमें बागवानी फसलों में सूत्रकर्मियों का महत्व, पॉलीहाउस फसलों, नर्सरी तथा फलदार पौधों में सूत्रकृमि समस्या एवं समाधान शामिल थे।

मृदा सौर्यीकरण का करें प्रयोग

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के समन्वयक डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस में लगने वाले सूत्रकृमियों के लक्षण, समस्या व प्रबधंन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मई-जून के महीने में मृदा सौर्यीकरण, नीम खल व जैविक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जयदीप पाटिल ने फलदार पौधों तथा नर्सरी में सूत्रकृमि प्रबधंन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके।

6 राज्यों के 200 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

कार्यक्रम के संयोजक एवं सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कवंर ने बताया कि इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर खास सुझाव दिए गए। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उतर प्रदेश, बिहार, पंजाब से किसान, बागवानी अधिकारी व जिला विस्तार विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार के अंत में प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों में किसान दिनेश चहल, विक्रम पंघाल, संदीप सिंह, कैलाश खुशवाह, रविन्द्र सोकहाल, भूषण ओलिहन आदि ने बागवानी में आने वाली समस्याओं को लेकर विभिन्न सवाल किए जिनका कृषि वैज्ञानिकों ने बेहतर ढंग से जवाब देते हुए समाधान बताए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद देते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......पांच बजे......

दिनांक 5.9.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान को लेकर कृषि वैज्ञानिकों से रूबरू हुए देशभर के किसान

जानकारी के अभाव में आती हैं बागवानी में सूत्रकृमि की समस्याएं : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान विषय को लेकर कृषि वैज्ञानिकों व देशभर के किसानों के बीच गहन चर्चा हुई। वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नर्सरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए।

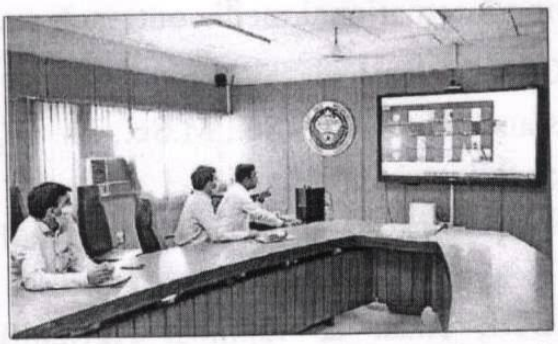

इस वेबिनार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में आयोजित किया गया। इस वेबिनार के तीन मुख्य विषय थे, जिनमें बागवानी फसलों में सूत्रकर्मियों का महत्व, पॉलीहाउस फसलों, नर्सरी तथा फलदार पौधों में सूत्रकृमि समस्या एवं समाधान शामिल थे।

मृदा सौर्यीकरण का करें प्रयोग

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद के समन्वयक डॉ. सरदूल मान ने पॉलीहाउस में लगने वाले सूत्रकृमियों के लक्षण, समस्या व प्रबधंन पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होनें बताया कि मई-जून के महीने में मृदा सौर्यीकरण, नीम खल व जैविक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जयदीप पाटिल ने फलदार पौधों तथा नर्सरी में सूत्रकृमि प्रबधंन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नर्सरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लगाने से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस दौरान उन्होंने बीमारी मुक्त या सूत्रकृमि मुक्त नर्सरी के उपयोग पर जोर दिया।

6 राज्यों के 200 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

कार्यक्रम के संयोजक एवं सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. कवंर ने बताया कि इस वेबिनार में कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर खास सुझाव दिए गए। इसमें हरियाणा के विभिन्न जिलों के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब से किसान, बागवानी अधिकारी व जिला विस्तार विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबिनार के अंत में प्रतिभागियों द्वारा सूत्रकृमि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर सवाल पूछे गए। प्रतिभागियों में किसान दिनेश चहल, विक्रम पंचाल, संदीप सिंह, कैलाश खुशहाल, रविन्द्र सोकहाल, भूषण ओलिहन आदि ने बागवानी में आने वाली समस्याओं को लेकर विभिन्न सवाल किए जिनका कृषि वैज्ञानिकों ने बेहतर ढंग से जवाब देते हुए समाधान बताए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद देते हुए सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ:छोर..........

दिनांक .6.9.2020......पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

हकृवि में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का पहला चरण पूरा

हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों के लिए आज प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जिसमें 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका पहला चरण आज से शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सैनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही हाथ सैनेटाइज करवाने के बाद पानी की बोतल व फेस मास्क मुहैया करवाए गए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। विद्यार्थियों की संख्या और केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल हैं। इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से 180 स्टाफ के सदस्यों की ड्यूटियां लगाई गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा की तिथियां 6 सितम्बर, 9 सितम्बर, 12 सितम्बर व 16 सितम्बर को तय की गई हैं, जिसका प्रथम चरण आज से शुरू हो गया है। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 6.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए 601 परीक्षार्थी

पल पल न्यूज: हिसार, 6 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने आज विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया। प्रवेश परीक्षा में 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका पहला चरण 6 सितंबर से शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की ओर से ही सभी परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही परीक्षार्थियों के हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद पानी की बोतल व फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को पानी के लिए अपने स्थान से उठना न पड़े और कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। उन्होंने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल हैं। विद्यार्थियों की संख्या और केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे । इन चार केंद्रों पर 42 कमरे जिनमें हॉल भी शामिल हैं, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी की पूरी तरह से पालना की जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाँच बजे.....

दिनांक 6.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू में 601 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

स्नातकोत्तर प्रोग्रामों में दाखिले के लिए चार चरणों में होगी प्रवेश परीक्षा

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया। प्रवेश परीक्षा में 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका पहला चरण 6 सितंबर से शुरू हो गया है।

यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद पानी की बोतल व फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि

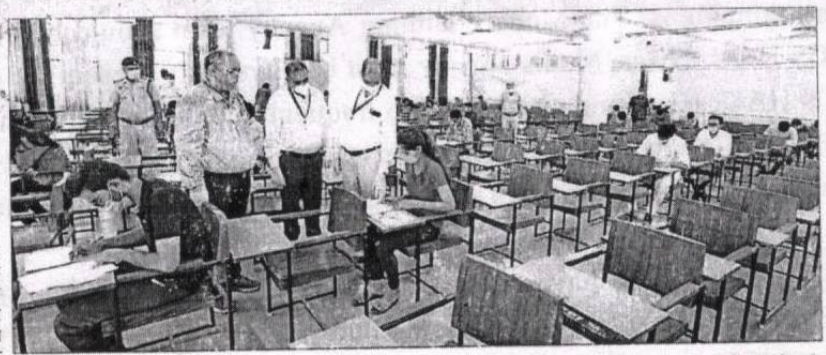

किसी भी परीक्षार्थी को पानी के लिए अपने स्थान से उठना न पड़े और कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक आयोजित की गई।

3448 विद्यार्थियों ने किया था ऑनलाइन आवेदन

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए कुल 3448 ने विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिनमें स्नातकोत्तर व पीएचडी के कोर्स शामिल है। विद्यार्थियों की संख्या और केंद्र व राज्य सरकार की जारी हिदायतों को ध्यान में रखते हुए इन परीक्षाओं को आयोजित करवाने के लिए चार परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय और मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय शामिल है। इन चार केंद्रों पर 42 कमरें जिनमें हॉल भी शामिल है, निर्धारित किए गए थे ताकि सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पूरी तरह से पालना की जा सके।

विश्वविद्यालय कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

इन परीक्षाओं को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने व सभी हिदायतों की पालना करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से 180 स्टाफ के सदस्यों की ड्यूटियां लगाई गई। इनमें शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा की तिथियां 6 सितम्बर, 9 सितम्बर, 12 सितम्बर व 16 सितम्बर को तय की गई हैं, जिसका प्रथम चरण 6 सितंबर से शुरू हो गया है। उन्होंने उम्मदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 7.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू में 601 परीक्षार्थियों ने दी स्नातकोत्तर के लिए प्रवेश परीक्षा

स्नातकोत्तर प्रोग्रामों में दाखिले के लिए चार चरणों में होगी प्रवेश परीक्षा

हिसार, 6 सितम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया। प्रवेश परीक्षा में 601 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 300 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षाओं को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसका पहला चरण 6 सितम्बर से शुरू हो गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है।

हिसार : प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी। (छाया : राज पराशर)

उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों को परीक्षा से पहले सेनेटाइज कराया गया था और सामाजिक दूरी व मास्क का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर ही हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद पानी की बोतल व फेस मास्क मुहैया करवाए गए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को पानी के लिए अपने स्थान से उठना न पड़े और कोरोना के खतरे से निपटने के लिए सतर्कता बरती जा सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता प्रोफेसर आशा छात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा की तिथियां 6, 9, 12 व 16 सितम्बर तय की गई हैं। उन्होंने उम्मदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक करते रहें।